चार धाम के नामों के प्रयोग के विरुद्ध सख्त कानून

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तराखंड मंत्रिमंडल** ने राज्य के **[चार धाम मंदिरों](#) के नाम का उपयोग** करने वाले संगठनों या ट्रस्टों के **विरुद्ध सख्त कानून लागू** करने का निर्णय लिया।

मुख्य बिंदु

- अधिकारियों के अनुसार, ऐसे ट्रस्ट और संगठन **आम जनता में भ्रम उत्पन्न करते हैं** तथा स्थानीय परंपराओं एवं **धार्मिक मान्यताओं को भी ठेस पहुँचाते हैं।**
- चार धाम मंदिर पुजारी संघ ने भी दिल्ली में [केदारनाथ मंदिर](#) की प्रतिकृति की आधारशिला रखने के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

चार धाम

//

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी यमुना को।
  - यमुना नदी भारत में गंगा नदी के बाद दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **समर्पित:** भगवान शिव
  - मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित।
  - भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - पवित्र बद्रीनारायण मंदिर का घर।

- **समरपति:** भगवान वषि्णु
- वैष्णवों के लयि पवति्र तीर्थस्थलों में से एक

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/strict-laws-against-using-char-dham-names